



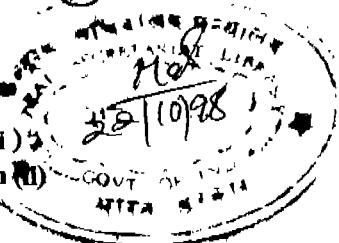
भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्रधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं 334]
No. 334]

नई दिल्ली, बुधवार, मई 27, 1998/ज्येष्ठ 6, 1920
NEW DELHI, WEDNESDAY, MAY 27, 1998/JYAISTA 6, 1920

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

अधिसूचना

नई दिल्ली, 27 मई, 1998

(आयकर)

का.आ. 467(अ).—आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 54 ड की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड एतद्वारा निम्नलिखित को विनिर्दिष्ट करता है :—

- (क) भारतीय कम्पनी अधिनियम, 1956 के अन्तर्गत पंजीकृत एक सार्वजनिक कम्पनी मैसर्स रिलायन्स पावर लि. जिसका पंजीकृत कार्यालय अबधेश हाऊस, तीसरी मंजिल, प्रीतम नगर, फस्ट स्लोप, एलिस ब्रिज, अहमदाबाद-380006 में है, द्वारा राजकीय गजट में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से एक वर्ष की अवधि के भीतर जारी की जाने वाली इकिवटी जो 913 करोड़ रु. से अधिक की राशि की नहीं होगी और;
- (ख) भारतीय कम्पनी अधिनियम, 1956 के अन्तर्गत पंजीकृत सार्वजनिक कम्पनी मैसर्स रिलायन्स पावर लि. जिसका पंजीकृत कार्यालय अबधेश हाऊस, तीसरी मंजिल, प्रीतम नगर, फस्ट स्लोप, एलिस ब्रिज, अहमदाबाद-380006 में होगा, द्वारा राजकीय गजट में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से एक वर्ष की अवधि के भीतर जारी किए जाने वाले बन्धपत्र जो 2132 करोड़ रु. से अधिक राशि के नहीं होंगे।

बशर्ते कि उपर्युक्त इकिवटी और बंधपत्रों में निवेश, कर-निधारिती द्वारा उसकी आय से किया जाता है जो दीर्घकालीन पूँजीगत परिसंपत्तियों के अन्तरण से उद्भूत होने वाले “पूँजीगत अभिलाभों” शीर्ष के अन्तर्गत कर प्रभार्य हों।

बशर्ते कि यह भी कि यदि कर निधारिती उसको आवृट्टि किये गये उपर्युक्त इकिवटी एवं बंधपत्रों को किसी भी रूप में उनके आवंटन की तारीख से तीन वर्षों की अवधि के भीतर अंतरण करता है तो उपर्युक्त इकिवटी और बंधपत्रों में ऐसे कर-निधारिती द्वारा किया गया प्रारंभिक निवेश, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 43 ड की उपधारा (2) के प्रावधानों के अनुसार “पूँजीगत अभिलाभों” शीर्ष के अन्तर्गत कर प्रभार्य होगा।

[अधिसूचना सं. 10622/फा. सं. 178/134/97-आयकर नि. I]

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Revenue)
(CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 27th May, 1998

(INCOME TAX)

S.O. 467(E).— In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 54EA of the Income-tax Act, 1961 the Central Board of Direct Taxes hereby specifies :

- (a) equity to be issued within a period, of one year from the date of publication of this notification in the official Gazette of an amount not exceeding Rs. 913 crores by M/s. Reliance Power Ltd., a public company registered under the Indian Companies Act, 1956 and having its registered office at Avdesh House, 3rd Floor, Pritam Nagar, 1st Slope, Ellis bridge, Ahmedabad-380006; and
- (b) bonds to be issued within a period of one year from the date of publication of this notification in the Official Gazette of an amount not exceeding Rs. 2132 crores by M/s. Reliance Power Ltd., a public company registered under the Indian Companies Act, 1956 and having its registered office at Avdesh House, 3rd Floor, Pritam Nagar, 1st Slope, Ellis bridge, Ahmedabad-380006.

Provided that the investment in the aforesaid equity and bonds is made by an assessee out of his income chargeable to tax under the head "Capital Gains" arising out of transfer of long term capital asset :

Provided further that in case the assessee transfers aforesaid equity and bonds allotted to him in any manner within a period of three years from the date of their allotment, the initial investment made by such assessee in the aforesaid equity and bonds shall be chargeable to tax under the head "Capital Gains" in accordance with the provisions of sub-section (2) of section 43EA of the Income-tax Act, 1961.

[Notification No. 10622/F. No. 178/134/97-ITA-I]

PROMILA BHARDWAJ, Dy. Secy.